जुड़ने और जोड़ने के लिए

कान्यकुब्ज वाणी

।। जय शंकर ।।

विशेषांक

अश्रु पूरित नमन

न्यायमूर्ति पँडित जय शंकर जी त्रिवेदी

(1911-2010)

"Justics Trivedi was very affecionate to us. We all know death is inevitable, but it is not easy for us to forget him. He had given me love of a father and I will always pine for that"

- Mr. Jusitce Pradip Kant.

Such was his reputation that even an unsuccessful litigant went back satisfied from his lordship's court. After his retirement he devoted himself to arbitrations and his astute reasoning sterling commonsense coupled with legel knowledge and fairness made him an impartial and much sought after arbirator."

- Sri Jyotindra Misra
Advocate General U.P.

"his relations with Bar & Bench were very cordial and warm". The Bar will always remember him.

-Sri Shiva Kant Tewari
President Oudh Bar Association.

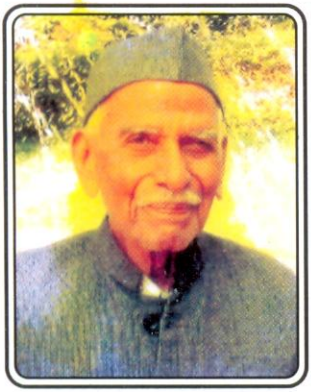

स्व. श्री विष्णु नारायन जी त्रिपाठी
(1917-2010)

अश्रुओं की उमड़ती मंदाकिनी अर्पित तुम्हें
वेदनाओं से सृजित काव्यांजली अर्पित तुम्हें।

तोड़कर सम्बन्ध सारे आत्मा से जब हृदय
कट गया होगा तुम्हारी श्वांस की इस डोर से।
बुझ गया होगा धधकता सूर्य भी कुछ देर को
थम गई होगी पवन आती हुई चहुँओर से।

सूर्य तारे चन्द्रमा या यूँ कहो सम्पूर्ण सृष्टि
रोई होगी कर्म के योगी तुम्हारी मृत्यु पर
धन्य होंगे स्वर्ग के सब देवता पाकर तुम्हें।
मृत्यु नतमस्तक हुयी होगी तुम्हारी मृत्यु पर

शेषफल पाना ही था सबसे अधिक सबसे अलग
कर्म का जीवन जिया था धर्म के दर्शन के साथ।
तुमने जीवन से घटाया ही नही जीवन कभी
तुमने तो हरदम किया जीवन गुना जीवन के साथ

सिक्त उद्गारों की यह गीतांजलि अर्पित तुम्हें
सजल नयनों में बसी श्रद्धांजलि अर्पित तुम्हें।

- आनन्द सरन (साइन्टिस्ट)

कान्यकुब्ज आभा मण्डल

कान्यकुब्ज वाणी संरक्षक	:	योगदान	₹ 10000.00

न्यायमूर्ति श्री डी.के. त्रिवेदी (अव.प्रा.)

कान्यकुब्ज वाणीपुत्र	:	योगदान	₹ 5000.00

डा. उमा दत्त शुक्ला

डा. वी.के. मिश्रा आई. सर्जन

कान्यकुब्ज वाणी विष्टिश सदस्य	:	योगदान	₹ 2000.00

कान्यकुब्जवाणी के अजीवन सदस्य	:	योगदान	₹ 1000.00

श्री भारतेन्दुजी त्रिवेदी

श्री रमारमन जी त्रिवेदी

श्री आर.सी.त्रिपाठी आई.ए.एस. (रिटायर्ड)

श्री कौशल किशोर त्रिवेदी

श्री नवीन कुमार जी शुक्ला

श्रीमती मीनू द्विवेदी पत्नी स्व. पं. रत्नेश कुमार द्विवेदी

डा. आर.के. त्रिपाठी

श्री विजयशकंर शुक्ल

ई. बंसत राम दीक्षित

ई. सुधीर कुमार पांडे

श्रीमती मनोरमा जी तिवारी

कु. प्रेम प्रकाशनी जी मिश्रा पुत्री स्व. पं. जयशंकर मिश्रा